INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI(2nd lang.)	Department: Hindi	Class work
पाठ - 4 गोल	Topic -प्रश्नोत्तर तथा व्याकरण भाग	Note: Pl. write in your note book.

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मेजर ध्यानचंद का जन्म कब व कहाँ हुआ था?
उत्तर= मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को प्रयागराज में हुआ था।

प्रश्न 2. मेजर ध्यानचंद को बार-बार हॉकी खेलने के लिए कौन कहते थे?
उत्तर= मेजर ध्यानचंद को बार-बार हॉकी खेलने के लिए सूबेदार मेजर तिवारी कहते थे।

प्रश्न 3. बर्लिन ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद के खेलने के ढंग से प्रभावित होकर लोगों ने उन्हें क्या कहना शुरू कर दिया था?
उत्तर= बर्लिन ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद के खेलने के ढंग से प्रभावित होकर लोगों ने उन्हें "हॉकी का जादूगर" कहना शुरू कर दिया था।

प्रश्न 4. मेजर ध्यानचंद को हॉकी टीम का कप्तान कब बनाया गया?
उत्तर= मेजर ध्यानचंद को हॉकी टीम का कप्तान 1936 में बनाया गया।

प्रश्न 5. ध्यानचंद की सफलता का मूल मंत्र क्या था?
उत्तर= लगन और खेल की साधना ध्यानचंद की सफलता का मूल मंत्र था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मेजर ध्यानचंद ने बुरा करने वालों के विषय में क्या कहा है?
उत्तर= मेजर ध्यानचंद ने बुरा करने वालों के विषय में कहा कि "बुरा करने वाला आदमी हर समय इस बात से डरा रहता है कि उसके साथ भी बुराई की जाएगी।"

प्रश्न 2. खेल में घायल होने के बाद ध्यानचंद जी ने क्या किया?
उत्तर= खेल में घायल होने के बाद भी ध्यानचंद जी ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपनी चोट पर पट्टी बँधवाकर पूरे उत्साह के साथ खेलना शुरू कर दिया। फिर लगातार छह गोल करके विरोधी टीम को हराया।

प्रश्न 3. मेजर ध्यानचंद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए|
उत्तर= मेजर ध्यानचंद एक आदर्श खिलाड़ी थे। उनका गेंद पर अद्भुत नियंत्रण था| वे मेहनती और अनुशासित थे। उन्होंने अपने शानदार खेल से भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन किया।

प्रश्न 4. ध्यानचंद ने हॉकी खेलना कब और कैसे शुरू किया?
उत्तर= ध्यानचंद ने 16 वर्ष की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया| उनकी भर्ती 'फर्स्ट ब्राह्मण रेजीमेंट' में हुई और वहीं से उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पाठ का नाम "गोल" क्यों रखा गया है?

उत्तर= पाठ का नाम "गोल" इसलिए रखा गया है क्योंकि –

- यह संस्मरण ध्यानचंद के गोल करने की क्षमता पर आधारित है।
- गोल ही हॉकी में जीत-हार का निर्धारण करता है।
- ध्यानचंद ने अपने खेल जीवन में अनेक गोल किए और भारत को गौरव दिलाया।

प्रश्न 2. मेजर ध्यानचंद की खेल-भावना कैसी थी? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर= मेजर ध्यानचंद की खेल-भावना बहुत अच्छी थी। वे सभी खिलाड़ियों को साथ लेकर चलते थे और अपने साथियों को भी आगे बढ़ने का अवसर देते थे। वे जीत का श्रेय केवल स्वयं न लेकर पूरी टीम को देते थे| उनका मानना था कि खेल में हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण टीम और देश का सम्मान होता है।

व्याकरण भाग

प्रश्न 1. दिए गए उपसर्गों से दो- दो शब्द बनाइए :-

1. अ – अविश्वास, अहिंसा
2. आ – आजीवन, आमरण
3. उप – उपवन, उपयोग
4. सु – सुपुत्र, सुगंध
5. ना – नासमझ, नालायक
6. ला – लाइलाज, लापरवाह

प्रश्न 2. दिए गए प्रत्ययों से दो - दो शब्द बनाइए :-

1. दार – चमकदार, हवादार
2. वान – धनवान, दयावान
3. ता – मित्रता, सुंदरता
4. ई – चोरी, अमीरी
5. कार – कलाकार, पत्रकार
6. ईला – रंगीला, रसीला

प्रश्न 3. दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए|

(क) साधारण × **असाधारण**
(ख) सफलता × **विफलता**
(ग) बुराई × **भलाई**
(घ) सहयोग × **असहयोग**
(ङ) जन्म × **मरण**
(च) जीत × **हार**
(छ) आरंभ × **अंत**
(ज) अमृत × **विष**

****